

उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी (GBC) 4.0 में, उत्तर प्रदेश सरकार 14,000 परियोजनाओं को शामिल करने वाले 10 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (MoU) की घोषणा करने के लिये तैयार है, जिससे 33.50 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है।

मुख्य बंदि:

- GBC 4.0 के लिये अनुमानित नविश रोलआउट पछिले तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोहों में लागू किये गए 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी नविश से पाँच गुना अधिक है।
 - इनमें से 52% से अधिक परियोजनाएँ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएंगी, जसि पश्चिमांचल क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है।
 - पूर्वांचल क्षेत्र में लगभग 29% MoU को लागू किया जाएगा, जसिमें राज्य के पूर्वी हसिसे शामिल हैं।
 - मध्यांचल में 14 % और बुन्देलखण्ड में 5 % MoU लागू होंगे।
- इन MoU पर फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित [उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिटि-2023](#) में हस्ताक्षर किये गये थे।
- प्रतष्ठिति उद्योगपतियों, 500 कंपनियों के प्रतिनिधियों, वदिशी नविशकों, राजदूतों, उच्चायुक्तों और अन्य वशिषिट अतधियों सहति लगभग 3000 लोग ग्राउंडब्रेकिंग समारोह 4.0 में भाग लेंगे।

पछिला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह

- राज्य में तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोह पहले ही हो चुके हैं, जसिसे 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नविश आया है।
- पहला यूपी इन्वेस्टर्स समिटि फरवरी 2018 में आयोजित किया गया था जसिमें 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1045 MoU पर हस्ताक्षर किये गए थे।
- पहला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह जुलाई 2018 में हुआ, उसके बाद दूसरा जुलाई 2019 में हुआ, जसिके परिणामस्वरूप क्रमशः 61,792 करोड़ रुपए के नविश के साथ 81 परियोजनाएँ और 67,202 करोड़ रुपए के नविश के साथ लगभग 290 परियोजनाएँ सफलतापूर्वक लॉन्च हुईं।